AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

हॉस्टल आवंटन की सूची जारी

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। प्रवेश काउंसिलिंग और हॉस्टल के लिए आवेदन की प्रक्रिया खत्म होने के बाद लखनऊ विश्वविद्यालय ने हॉस्टल आवंटन की प्रक्रिया शुरू कर दी है। सोमवार को लविवि ने चार हॉस्टलों की सूची जारी कर दी है। छात्रों को 15 नवंबर तक फीस जमा करने के निर्देश दिए गए हैं। इस तिथि तक जो फीस जमा नहीं करेगा, उसका आवंटन निरस्त कर दिया जाएगा।

लविवि में कुल 17 हॉस्टल हैं। एक अंतरराष्ट्रीय समेत 10 ब्वॉयज और सात गर्ल्स हॉस्टल हैं, जिनकी क्षमता करीब ढाई हजार छात्रों की है। लविवि ने चंद्रशेखर आजाद गर्ल्स हॉस्टल में बीएससी बायो व मैथ्स के छात्रों की, कैलाश हॉस्टल में बीए, बीएफए व बीवीए और बीएड के छात्रों की, लाल बहादुर शास्त्री हॉस्टल में बीएड, बीएलआईबी, बीएससी के छात्रों की, महमूदाबाद हॉस्टल में बीए व बीकॉम के छात्रों की और सुभाष हॉस्टल के लिए चयनित छात्रों की सूची जारी कर दी है। छात्र लविवि की वेबसाइट से सूची और अलॉटमेंट की फीस समेत संपूर्ण जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। रैंक के अनुसार छात्रों को हॉस्टल अलॉट किए गए हैं। रूम अलॉटमेंट के लिए छात्रों को संबंधित हॉस्टल में संपर्क करना होगा।

लविवि : 15 तक जमा करनी है फीस

ये प्रमाणपत्र जरूरी

हॉस्टल अलॉटमेंट के लिए छात्रों को जरूरी दस्तावेज लेकर जाना होगा। हॉस्टल आवेदन फॉर्म, आवेदन फॉर्म की रसीद, कोर्स अलॉटमेंट लेटर, कोर्स फीस रसीद, स्वप्रमाणित शैक्षणिक प्रमाणपत्र, स्वप्रमाणित कैटेगरी सर्टिफिकेट, स्वप्रमाणित आधार कार्ड की कॉपी और आठ पासपोर्ट साइज फोटो लेकर जाना होगा।

दो किस्तों में जमा होगी फीस

हॉस्टल फीस की पहली किस्त अलॉटमेंट के दौरान और दूसरी किस्त पहले सेमेस्टर के अंत में जमा करनी होगी। चंद्रशेखर आजाद गर्ल्स हॉस्टल और कैलाश हॉस्टल की सिंगल सीटर की फीस 23,870 और दो, तीन और चार सीटर की फीस 23,270 रुपये है। लाल बहादुर शास्त्री, महमूदाबाद और सुभाष हॉस्टल की सिंगल सीटर की फीस 29,090 रुपये, दो, तीन और चार सीटर की फीस 28,490 रुपये है।

पीएचडी की सूची जारी

लविवि ने पीएचडी प्रवेश के अंतर्गत 10 विषयों की बची सीटों पर अभ्यर्थियों की सूची सोमवार को जारी कर दी। प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि जिन विषयों की सूची जारी की गई है, उनमें एजुकेशन, कंप्यूटर साइंस, कॉमर्स, इंग्लिश, मैथ्स, जूलॉजी, जियोलॉजी, सोशियोलॉजी, लॉ और फिजिक्स शामिल हैं। चयनित अभ्यर्थियों को 11 नवंबर तक ऑनलाइन फीस जमा करनी होगी।

डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन आज

जिन छात्रों ने लविवि के एमएससी जियोलॉजी में दाखिला लिया है उन्हें 9 नवंबर को डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन कराना होगा। छात्रों को इसके लिए जियोलॉजी विभाग में दोपहर दो बजे उपस्थित होना होगा। वहीं, जिन छात्रों ने एमएससी एप्लाइड जियोलॉजी में दाखिला लिया है, उनका भी डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन 9 नवंबर को होगा।

NBT PAGE 6

22 हजार ने बीएड में सीधे लिया दाखिला

■ एनबीटी, लखनऊ: यूपी संयुक्त प्रवेश-परीक्षा वीएड (2021-23) में सोमवार को सीधे प्रवेश में लगभग 22000 अभ्यर्थियों ने दाखिला लिया। अब तक काउंसलिंग के तहत ही प्रवेश लिए जा रहे थे। कई दौर की काउंसलिंग के बावजूद लखनऊ समेत यूपी के कई शहरों में विवि और कॉलेज में सीटें खाली थीं, उसी के तहत सोमवार को सीधे दाखिले लिए गए।

एलयू: पीएचडी में 10 विषयों की बची सीटों में दाखिले पूरे

लखनऊ यूनिवर्सिटी की रेगुलर फुल टाइम पीएचडी की बची हुईं दस सीटों पर दाखिला प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। इनमें एजुकेशन, कंप्यूटर साइंस, कॉमर्स, अंग्रेजी, जन्तु विज्ञान, गणित, भूगर्भ विज्ञान, समाज शास्त्र, लॉ और भौतिकी विषय शामिल हैं। एलयू प्रवक्ता दुर्गेश श्रीवास्तव के मुताबिक चयनितों की सूची एलयू की वेवसाइट पर अपलोड कर दी गई है। जिनका दाखिला हो गया है वे 11 नवंबर तक लॉगिन आईडी से फीस जमा कर दें।

पीएचडी की बची सीटों पर चयन

लखनऊ। एलयू की रेगुलर फुलटाइम पीएचडी प्रवेश प्रक्रिया में कई विषयों में बची सीटों पर चयनित अभ्यर्थियों की सूची जारी की है। एजुकेशन, कम्प्यूटर साइंस, कॉमर्स, अंग्रेजी, मैथ, जूलॉजी, जियोलॉजी, सोशियोलॉजी, लॉ एवं फिजिक्स विषय में चयनित अभ्यर्थियों की सूची विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर पीएचडी प्रोग्राम के अन्तर्गत देखी जा सकती है। चयनित अभ्यर्थियों को 11 नवम्बर तक अपने लॉगिन आईडी का प्रयोग कर ऑनलाइन फीस जमा करनी होगी।

HINDUSTAN PAGE 4

विश्वविद्यालय में लौटी रौनक, उपस्थिति कम

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय समेत महाविद्यालयों में सोमवार से रौनक लौटी। एक हफ्ते के अवकाश के बाद विश्वविद्यालय में सभी पाठ्यक्रमों की कक्षाएं पूर्व की तरह लगीं। हालांकि उपस्थिति का फीसद काफी कम रहा लेकिन विश्वविद्यालय में छात्र-छात्राओं की मौजूदगी की वजह से रौनक रही। विश्वविद्यालय के खेल मैदान, लैब के साथ ही वाटिका में भी छात्र-छात्राएं मौजूद रहे। इसके साथ ही एडमिशन सेल के कार्यालय में भी छात्र शिकायतों और समस्याओं के लिए चक्कर काटते रहे। हास्टल की मेरिट सूची जारी होने की वजह से बाहरी जिलों के छात्र-छात्राओं को राहत मिली।

बीएड: 21,745 अभ्यर्थियों को महाविद्यालयों में प्रवेश

लखनऊ | कार्यालय संवाददाता

उत्तर प्रदेश संयुक्त प्रवेश परीक्षा बीएड 2021 के अन्तर्गत सोमवार से बीएड में सीधे दाखिले के लिए काउंसलिंग शुरू हुई। सीधे दाखिले की कवायद महाविद्यालय स्तर से अभी तक खाली एक लाख से अधिक सीटों को भरने के लिए शुरू की गई है।

प्रदेश भर में बीएड की दो लाख 25 हजार सीटें हैं। काउंसलिंग के तीन चरणों के बाद अभी भी एक लाख से अधिक सीटें खाली हैं। जिसको देखते हुए सीधे दाखिले के लिए काउंसलिंग शुरू की गई है। काउंसलिंग के लिए पहले ही दिन 21,745 अभ्यर्थियों को सीट आवंटित की गई।

राज्य प्रवेश समन्वयक प्रो. अमिता बाजपेई ने बताया कि यह काउंसलिंग का तीसरा चरण हैं। जिसमें सीधे दाखिले हो रहे हैं लेकिन सिर्फ वे पंजीकरण करा सकते हैं जो प्रवेश परीक्षा में शामिल हुए थे और अर्ह हैं।

i-NEXT PAGE 2

खाली सीटें भरने के लिए दूसरी लिस्ट जारी

lucknow@inext.co.in

LUCKNOW (8 Nov): लखनऊ यूनिवर्सिटी के रेगुलर फुलटाइम पीएचडी कोर्सेज में 10 सब्जेक्ट में सीटें खाली हैं. एलयू ने सोमवार को इन बची सीटों के सापेक्ष चयनित स्टूडेंट्स की लिस्ट जारी की, जिसे एलयू की आधिकारिक वेबसाइट पर देख सकते हैं. यूनिवर्सिटी के प्रवक्ता डा. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि एजुकेशन, कंप्यूटर साइंस, कॉमर्स, इंग्लिश, मैथ्स, जूलॉजी, जियोलॉजी, सोशियोलॉजी, लॉ और फिजिक्स की खाली सीटों पर स्टूडेंट्स की सूची जारी की गई है.

DAINIK JAGRAN PAGE 7

पीएचडी | लखनऊ विश्वविद्यालय के रेगुलर फुल टाइम पीएचडी पाठ्यक्रम में 11 नवंबर तक जमा करनी होगी फीस

10 विषयों में सीटें खाली, दूसरी सूची जारी

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के रेगुलर फुल टाइम पीएचडी पाठ्यक्रम में अभी 10 विषयों में सीटें खाली हैं। सोमवार को इन बची हुई सीटों के सापेक्ष चयनित अभ्यर्थियों की सूची जारी कर दी गई है। अभ्यर्थी विश्वविद्यालय की वेबसाइट https//www.lkouniv.ac.in/ पर जाकर पीएचडी प्रोग्राम में सूची देख सकते हैं। विश्वविद्यालय के प्रवक्ता डा. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि एजुकेशन, कम्प्यूटर साइंस, कामर्स, इंग्लिश, मैथ्स, जूलाजी, जियोलाजी, सोशियोलाजी, ला और फिजिक्स की खाली सीटों पर अभ्यर्थियों की सूची जारी की गई है। इन्हें 11 नवंबर तक फीस जमा करने का मौका दिया गया है।

बीएड : 22 हजार अभ्यर्थियों ने लिया सीधे दाखिला : बीएड पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए सोमवार से सीधे दाखिले की प्रक्रिया शुरू हो गई। पहले ही दिन प्रदेश भर में 22 हजार अभ्यर्थियों ने प्रवेश लिया। यह प्रक्रिया 13 नवंबर तक चलेगी। राज्य समन्वयक प्रो. अमिता वाजपेयी ने बताया कि सीधे दाखिले के लिए महाविद्यालय लखनऊ विश्वविद्यालय की वेबसाइट से अभ्यर्थी के विवरण को सत्यापित करके नियमानुसार प्रवेश देंगे। काउंसलिंग का यह तीसरा चक्र महाविद्यालय स्तर पर केवल बीएड काउंसलिंग पोर्टल के माध्यम से ही पूरा किया जाएगा।

आनलाइन काउंसलिंग

शिया पीजी कालेज में एलएलबी प्रथम सेमेस्टर की 320 सीटों पर दाखिले के लिए आनलाइन काउंसलिंग सोमवार को दोपहर दो बजे के बाद शुरू हो गई। मेरिट में चयनित अभ्यर्थी कालेज की वेबसाइट www.shiapgcollege.ac.in पर लाकर स्टूडेंट लागइन में अपना पंजीकरण एवं जन्मतिथि दर्ज करके काउंसलिंग में शामिल हो सकते हैं।

केकेवी में प्रवेश का मौका : बप्पा श्री नारायण दोकेशनल पीजी कालेज (केकेवी) के प्राचार्य प्रो. राकेश चंद्रा ने बताया कि बीकाम सेल्फ फाइनेंस में 240 सीटों में सिर्फ 24 प्रवेश हुए हैं। बीएससी सेल्फ फाइनेंस में 80 में मात्र 15 सीटें भर पाई। एमए हिंदी, समाजशास्त्र और एमएससी जूलाजी में भी 60-60 सीटों में से आधे पर प्रवेश हुए हैं। अभी प्रवेश का मौका है।

छात्रावास आवंटन के लिए 15 तक जमा करनी होगी फीस

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय ने छात्रावास आवंटन के लिए चयनित स्नातक छात्र-छात्राओं को 15 नवंबर तक फीस जमा करने का मौका दिया है। फीस जमा करने के बाद संबंधित छात्र को अपने हास्टल के प्रोवोस्ट से संपर्क करना होगा। विश्वविद्यालय ने सोमवार को हास्टल आवंटन संबंधी संशोधित निर्देश वेबसाइट पर अपलोड कर दिए हैं। इसमें फीस स्ट्रक्चर भी शामिल है।

दरअसल, लखनऊ विश्वविद्यालय में 17 छात्रावास हैं। इनमें अंतरराष्ट्रीय छात्रावास मिलाकर 10 हास्टल छात्रों के लिए और सात छात्राओं के लिए हैं। 2500 की क्षमता वाले इन छात्रावासों के लिए आवेदन पहले ही लिए जा चुके हैं। अब छात्रावास के लिए चयनित स्नातक छात्र-छात्राओं की सूची वेबसाइट पर अपलोड करते हुए 15 नवंबर तक फीस जमा करने का मौका दिया गया है। फीस जमा होने के बाद ही आवंटन माना जाएगा। चीफ प्रोवोस्ट प्रो. नलिनी पांडेय ने बताया कि वेबसाइट पर छात्र-छात्राओं के लिए आवंटन संबंधी संशोधित निर्देश जारी किए गए हैं। इसमें छात्रावास का फीस स्ट्रक्चर भी शामिल है। उन्होंने बताया कि फीस में कोई बदलाव नहीं है। सिर्फ अंतरराष्ट्रीय छात्रावास की फीस में कुछ त्रुटि थी, उसे ठीक किया गया है।

ये दस्तावेज लाने होंगे जरूरी : छात्रावास के लिए आवेदन की मूल कापी, फीस की मूल प्रति, कोर्स आवंटन पत्र की फोटो कापी, कोर्स फीस की फोटो कापी, शैक्षिक प्रमाण पत्रों और आधार की स्वप्रमाणित कापी, आठ पासपोर्ट साइज फोटोग्राफ

महमूदाबाद, तिलक छात्रावास, चंद्रशेखर आजाद गर्ल्स हास्टल, कैलाश छात्रावास, सुभाष छात्रावास, लाल बहादुर शास्त्री हास्टल।

कार्यशाला 22 से : लखनऊ विश्वविद्यालय के ओएनजीसी सेंटर में कम्प्यूटेशनल बायोलाजी पर तीन दिवसीय कार्यशाला 22 से 24 नवंबर तक होगी। सेंटर के निदेशक प्रो. एम सेराजुद्दीन ने बताया कि कार्यशाला में वैज्ञानिक, शोधार्थी व एमएससी पास विद्यार्थी शामिल होंगे।

AMRIT VICHAR PAGE 3

प्रॉक्टर की पहल से छात्रों को मिली राहत

विश्वविद्यालय के छात्रों को पढ़ाई के बीच कैंपस में वाहनों के शोरगुल से मुक्ति मिल गयी है। प्रॉक्टर दिनेश कुमार के इस कदम की छात्र-छात्राएं जहां सराहना कर रहे हैं, वहीं कई ऐसे प्रभावी लोग हैं जो अंदर ही अंदर प्रॉक्टर को कोस भी रहे हैं। वहीं इस संबंध में प्रॉक्टर दिनेश कुमार का कहना है कि विश्वविद्यालय के तीनों के गेट के पास पार्किंग बनी हुई है और पार्किंग से महज 100 मीटर के दायरे में विभाग हैं ऐसे में किसी को इतना पैदल चलने में परेशानी नहीं होनी चाहिए। प्रॉक्टर ने बताया कि दिव्यांग छात्र व उनके अभिभावकों के साथ वह पूरी सहानुभूति रखते हैं, उनके लिए व्यवस्था की गयी है। इस व्यवस्था से उन्हें सुविधा होगी। यह व्यवस्था उनके हीत में ही किया गया है, जिसको लेकर छात्रों को राहत मिली है।

छुट्टियों के बाद सोमवार को विश्वविद्यालय कैंपस में काफी चहल-पहल रही। फोटो : अमृत विचार

बीएड में सीधे प्रवेश की प्रक्रिया शुरू

आयोजित उत्तर प्रदेश संयुक्त प्रवेश परीक्षा बीएड- 2021 में छात्र एडमिशन के प्रति रुझान नहीं दिखा रहे हैं। दो चरण की काउंसिलिंग के बाद भी एक लाख से अधिक सीटे खाली रह गई हैं। जिन्हें भरने के लिए अब मशक्कत करनी पड़ रही है। सीटों को भरने के लिए अब महाविद्यालय स्तर से सीधे दाखिला देने के लिए काउंसिलिंग सोमवार से शुरू हो चुकी है। बीएड में कुल दो लाख 25 हजार सीटें हैं। यह तीसरे चरण की काउंसलिंग है। सोमवार को सीधे प्रवेश में लगभग 22000 अभ्यर्थी शामिल रहे।

रेगुलर पीएचडी की बची हुई सीटों का ब्योरा जारी

नियमित पीएचडी प्रवेश सत्र 2020-21 के अलग-अलग विषयों की बची हुई सीटों के सापेक्ष चयनित अभ्यर्थियों की सूची जारी की गयी है। अभ्यर्थी वेबसाइट पर जाकर सूची देख सकते हैं। इसमें शिक्षा, कम्प्यूटर सांइस, कामर्स, अंग्रेजी, गणित,प्राणि विज्ञान, भूगर्भशास्त्र, समाज शास्त्र, विधि और भौतिक विज्ञान विषय शामिल है। अभ्यर्थी वेबसाइट पर अपने लागइन आईडी का प्रयोग करके फीस आनलाइन जमाकर दें। वहीं दीपावली की छुट्टियों के बाद सोमवार को कैंपस में छात्रों की हलचल दिखी। इस दौरान स्नातक में बची हुई सीटों पर प्रवेश के लिए छात्रों ने काउंसलिंग करायी। वहीं कई छात्रों ने छात्रवृत्ति में आवेदन में हुई त्रुटियों को भी दूर किया।

स्नातक में मौका समाप्त, परास्नातक में 10 तक मौका

स्नातक और परास्नातक की 99 प्रतिशत सीटों पर प्रवेश प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। ऐसे में स्नातक में सीट एलाटमेंट के बाद जिन छात्रों ने फीस नहीं जमा किया था,उनकी जगह पर दूसरे छात्रों को मौका दे दिया गया है। वहीं परास्नातक में जिन सीटों पर चयन होने के बाद भी छात्रों ने फीस नहीं जमा किया है, उनके पास अंतिम मौका 10 नवंबर तक है। ऐसें विश्वविद्यालय के अधिकारियों का कहना है कि इससे आगे छात्रों को मौका नहीं दिया जा सकता है कि उनको नया शैक्षिक सत्र भी शुरू करना है।

योग में हैं रोजगार के अवसर

फैकल्टी ऑफ योग एंड अल्टरनेटिव मेडिसिन की ओर से कोविड प्रोटोकॉल का पालन करते हुए योग में रोजगार के अवसर विषयक एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि प्रो. रमाकांत सिंह (पूर्व वीसी एसबीएस विवि देहरादून) तथा अध्यक्षता फैकल्टी के प्रो. इंचार्ज प्रो. नवीन खरे ने किया। छात्रों को योग के लाभ और उसमें रोजगार के बताया गया।

...तो रद होगा एलॉटमेंट

एमबीए में प्रवेश के लिए चल रही प्रक्रिया के तहत पहली सूची में जिन छात्रों को सीट आवटिंत कर दी गयी है, अगर वह तय समय में फीस नहीं जमा कर पाते हैं तो उनकी सीट निरस्त हो जायेगी। फिर दूसरी सूची में वह सीट किसी अन्य छात्र को आवंटित कर दी जायेगी। एमबीए में प्रवेश लेने वाले कई छात्र ऐसे भी हैं जिनके सामने फीस के लिए लोन की समस्या आ रही है।